मूल्य 1 रु.

वर्षः 10 - अंक : 279, मुंबई, सोमवार, 18 जनवरी, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R

अब हर सच होगा उजागर

शास्त्रीय गायक उस्ताद गुलाम मुस्तफा खान का निधन

लता मंगेशकर और एआर रहमान ने जताया दुख

संवाददाता

मुंबई। दुनियाभर में मशहूर शास्त्रीय गायक उस्ताद गुलाम मुस्तफा खान का 89 साल की उम्र में मुंबई में निधन हो गया। तकरीबन 15 साल पहले वो ब्रेन स्ट्रोक का शिकार हो गए थे और उन्हें लकवा मार गया था। उनके निधन पर लता मंगेशकर और एआर रहमान ने सोशल मीडिया के जरिए उन्हें श्रद्धांजलि दी है। लता मंगेशकर ने अपने ट्विटर हैंडल पर उस्ताद गुलाम मुस्तफा खान की तस्वीर शेयर की है। इसके साथ लिखा, 'मुझे अभी अभी ये दुखद खबर मिली है कि महान शास्त्रीय गायक उस्ताद गुलाम मुस्तफा खान साहब इस दुनिया में नहीं रहे। ये सुनकर मुझे बहुत दुख हुआ। वो गायक तो अच्छे थे ही पर इंसान भी बहुत अच्छे थे।' (शेष पृष्ठ 3 पर)

देश में अब तक 2 लाख 24 हजार से ज्यादा को लगा टीका

447 लोगों में मिले वैक्सीन के...

SIDE EFFECTS

नई दिल्ली। केंद्र ने रविवार को कहा कि राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के 2 दिनों के दौरान देश में 2.24 लाख से अधिक लाभार्थियों को कोविड-19 के टीके लगाए गए तथा इस दौरान प्रतिकूल प्रभाव के सिर्फ 447 मामले सामने आए। केंद्र ने कहा कि इन 447 मामलों में से केवल 3 व्यक्तियों को अस्पताल में भर्ती कराने की जरूरत पड़ी। (शेष पृष्ठ 3 पर)

3 अस्पताल में भर्ती

महाराष्ट्र में दो दिन वैक्सीनेशन नहीं

महाराष्ट्र में रविवार को वैक्सीनेशन नहीं किया गया। यहां सोमवार को भी टीकाकरण नहीं होगा। कोविन ऐप में गड़बड़ी की वजह से वैक्सीनेशन रुकने की अटकलों पर राज्य के हेल्थ डिपार्टमेंट ने बताया कि रविवार और सोमवार को राज्य में वैक्सीनेशन की कोई योजना नहीं थी। यहां अगले हफ्ते से केंद्र की गाइडलाइन के मुताबिक कोरोना के टीके लगाए जाएंगे।

पश्चिम बंगाल के सियासी मैदान में शिवसेना भी ठोकेगी ताल

संजय राउत ने किया

ऐलान

संवाददाता

मुंबई। पश्चिम बंगाल में चल रहे सियासी घमासान के बीच रविवार को शिवसेना सांसद संजय राउत ने बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि उनकी पार्टी भी आगामी विधानसभा चुनाव में मैदान में उतरेगी। राउत ने ट्वीट करते हुए कहा कि पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे के साथ चर्चा के बाद, शिवसेना ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव लड़ने का फैसला किया है। हम जल्द ही कोलकाता पहुंच रहे हैं। जय हिंद, जय बांग्ला। सूत्रों के मुताबिक शिवसेना, पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में 100 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतार सकती है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

अभिमानी ट्रंप का कलंक रिकार्ड!

पिछले सप्ताह, इस महीने दुनिया की सुर्खियों में हैं डोनाल्ड ट्रंप। सब तरफ एक चर्चा कि डोनाल्ड ट्रंप बीस जनवरी को कितनी कालिख, कंलक के साथ पद छोड़ेंगे! सचमुच अमेरिका के इतिहास में, दुनिया की आधुनिक लोकतांत्रिक सभ्यता के इतिहास में डोनाल्ड ट्रंप वह चेहरा हो गया है, जिसे हमेशा अपने हाथों अपनी बरबादी का इतिहास रचने की मिसाल के नाते याद रखा जाएगा। अंग्रेजी में एक शब्द है ह्यूबरिससिंड्रोम और उसके पर्याय बन गए है डोनाल्ड ट्रंप। मतलब एक ऐसा व्यक्ति, एक ऐसा नेता जो अभिमान में जीते हुए, अपने आपको सर्वज्ञ, छप्पन इंची छाती वाला महाबली मानते हुए बिना इस भान, अहसास के जीता है कि वह मूर्खतापूर्ण गर्व याकि ह्यूबरिस सिंड्रोममें जी रहाहै। डोनाल्ड ट्रंप ने जो किया वह इस गर्व में था कि वह महान है। और वह महान है तो उसके फैसलों से अमेरिका महान, ग्रेट होता हुआ है। वह सच्चा बाकी झूठ! वह समझदार बाकी मूर्ख। ट्रंप अपने स्टाफ, अपने मंत्रियों, अपनी पार्टी के तमाम लोगों-नेताओं को न महत्व देते थे और न उनकी सुनते थे क्योंकि उनका अपना मानना था याकि वे इस अभिमानी, ह्यूबरिस सिंड्रोम में जीते हुए थे कि दूसरे सब अल्पज्ञ जबकि वे जो सोचते, बोलते हैं, ट्विट करते हैं तो देशवासी उनकी वाह में उन्हें जिताते हैं तो भला दूसरे किसी का क्या मतलब। मतलब नेता का ह्यूबरिस सिंड्रोममें जीना जनता की वाह से पकता है तो पद की ताकत और लोकप्रियता से वह हवा में उड़ने लगता है। उस नाते हिटलर या स्टालिन, पुतिन जैसे तानाशाह से डोनाल्ड ट्रंप का मिजाज,उसकी मनोदशा में फर्क इससे है कि भक्तों की असीम भक्ति भी उतनी ही दोषी है, जितनी नेता का गर्व में मूर्खतापूर्ण व्यवहार करना। भक्तों की ताकत पर ही ट्रंप ने अमेरिका को दो हिस्सों में बांटा। मेरे समर्थक और मेरे विरोधी! अमेरिका में गृहयुद्ध की नौबत बना दी। जबकि ध्यान रहे तानाशाह जोर-जबरदस्ती सबको गुलाम बनाता है, जबकि ह्यूबरिस सिंड्रोममें जीने वाला राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री अपने जादू के अभिमान में जीता है और 'मैं' व 'वे' याकि समर्थक-विरोधी का विभाजन-टकराव बनवा कर देश को, देश की संस्थाओं को बरबाद करता है यह मानते हुए कि वह देश को ग्रेट बना रहा है। डोनाल्ड ट्रंप ने अंहमन्यता, मूर्खतापूर्ण अभिमान में अमेरिका की और अपनी वह थू-थू कराई और कालिख पुतने के बाद भीबूझ, समझ नहीं पा रहे हैं, सोच नहीं सकते हैं कि उनसे गलती हुई और जाते-जाते माफी मांग लें। सोचें, ट्विटर, फेसबुक आदि सोशल मीडिया ने अमेरिका के महाबली राष्ट्रपति का एकाउंट बंद किया लेकिन वे अपने से चूक होने की बात मानने के बजाय उलटे मीडिया को कोस रहे हैं। रिपब्लिकन पार्टी के जिन सांसदों ने अमेरिकी संसद पर हमले की घटना पर व्यथित हो असहमति जताई उन पर गुस्सा हैं। ट्रंप अभी भी अपनी पार्टी के नेताओं को अपनी महानता, अपने समर्थकों की ताकत से अपना गुलाम बनाए हुए हैं। अमेरिका के लोकतंत्र, संसद को क्या नुकसान हुआ है इसका ट्रंप ने रत्ती भर पश्चाताप नहीं दशार्या है। तभी अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के ऊपर संसद पर हमले के लिए लोगों को भड़काने पर महाभियोग चलना इतिहासजन्य घटना है। वे पहले राष्ट्रपति हैं, जिनके खिलाफ इतिहास में दो बार महाभियोग दर्ज रहेगा। शायद भविष्य में चुनाव लड़ने पर पांबदी भी हो। एफबीआई उनके खिलाफ आपराधिक जांच कर मुकद्दमा चला सकती है तो उनकी दशा या तो निर्वासित-अछूत नेता वाली होगी या वे भक्तों को भड़का कर और कलंकित होंगे।

क्या कोविड-19 से मुक्ति का समय करीब?

क्या अगले कुछ माह में भारत सहित शेष दुनिया कोविड-19 के कहर से मुक्त होगी? क्या मानव एक बार फिर स्वयं को विनाश और कष्ट से बचाने में सफल हो पाएगा? भारत के संदर्भ में बात करें, विश्व की दूसरी सर्वाधिक 138 करोड़ आबादी वाले देश में 16 जनवरी से कोविड-19 रोधी टीका लगना प्रारंभ हुआ है। एक चरणबद्ध प्रकिया के अंतर्गत अगले कुछ सप्ताह में करोड़ों भारतीयों को वैक्सीन लगा दी जाएगी। इस संबंध में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में सोमवार (11 जनवरी) को राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक भी हुई थी।

विश्व में 50 से अधिक इस्लामी या मुस्लिम बहुल राष्ट्र सहित 206 देश है, जिसमें केवल पांच ही देशों ने कोविड वैक्सीन तैयार की है। यह गौरव की बात है कि भारत भी कोरोना टीका बनाने वाले गिनती के पांच देशों की सूची (एक भी इस्लामी देश नहीं) में से एक है। बीते दिनों भारत के केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सी.डी.एस.सी.ओ.) ने 'भारत बायोटेक' द्वारा विकसित स्वदेशी टीके 'कोवैक्सीन' और 'सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया' द्वारा निर्मित ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका कोरोनावायरस वैक्सीन 'कोविशिल्ड' के आपातकालीन उपयोग को स्वीकृति दी थी। भारत सरकार का लक्ष्य प्रारंभ में 30 करोड़ लोगों को कोविड वैक्सीन लगाने का है, जिसमें वैधानिक दस्तावेज आधारित पंजीकरण आवश्यक होगा। इसे विश्व का 'सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान' भी कहा जा रहा है- क्योंकि ब्राजील, इंडोनेशिया, पाकिस्तान जैसे कई देशों की कुल जनसंख्या इतनी भी नहीं है। टीकाकरण हेतु प्राथमिकता समूह का चयन किया गया है, जिन्हे चरणबद्ध तरीके से टीका लगाया जाएगा। सबसे पहले लगभग 3 करोड़ स्वास्थ्यकर्मी, जोकि महीनों से कोविड-19 रोकथाम में जुटे है- उन्हें वैक्सीन लगाई जाएगी। इसके बाद 50 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों और बाद में इससे कम आयुवर्ष के उन लोगों को टीके लगाया जाएगा, जो पहले से किसी गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं। ऐसे लोगों की संख्या लगभग 27 करोड़ है।

भारत ने जिस प्रकार कोरोना वायरस का सामना किया है और सबसे बढ़कर इसके खिलाफ एकजुट होकर संघर्ष किया है- उसपर यदि आज प्रत्येक भारतीय गौरवान्वित नहीं हो पा रहा है, तो कम से कम उसमें एक संतोष की भावना अवश्य होगी।

इस वैश्विक महामारी से लड़ने में वर्तमान भारतीय नेतृत्व ने जो प्रारंभिक रणनीति (चरणबद्ध लॉकडाउन सहित) अपनाई थी, जिसपर काफी विवाद भी हुआ था या यूं कहे कि आज भी हो रहा है- संभवतः उसके कारण ही भारत उन देशों की सूची में शामिल होने से बच गया, जहां यह संक्रामक प्रलय बनकर टूट रहा है। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 25 मार्च 2020 से देश में पहला 21 दिन का लॉकडाउन लागू किया था, तब देश में कोरोना संक्रमितों की वृद्धि दर 35 प्रतिशत से अधिक थी। अर्थात- यदि एक दिन में कोविड-19 के 100 मामले सामने आ रहे थे, तो अगले दिन मामलों की संख्या 135 हो रही थी। किंतु पहले लॉकडाउन में यह आंकड़ा 35 प्रतिशत से घटकर 15 प्रतिशत से नीचे पहुंच गया। उसी कालखंड में इटली जैसे संपन्न और समृद्ध यूरोपीय देश में 10 हजार लोग इस बीमारी की चपेट में आकर दम तोड़ चुके थे, जबकि अमेरिका में यह आंकड़ा 40 हजार के पार था।

वर्तमान कोविड-19 मृत्युदर की बात करें- तो यमन (29%), मैक्सिको (8.6%), सुडान (6.3%), चीन (5%), ईरान (4.4%), इटली (3.5%), ऑस्ट्रेलिया (3.2%), इंग्लैंड (2.7%), कनाडा (2.6%), फ्रांस (2.4%), ब्राजील (2.5%), वियतनाम (2.3%), पाकिस्तान (2.1%), रूस (1.8%) और सऊदी अरब व अमेरिका (1.7%) की तुलना में भारत, जहां विश्व की दूसरी सर्वाधिक आबादी बसती है- वहां यह दर मात्र 1.4% है। आज स्थिति यह है कि भारत में 1.05 करोड़ मामले सामने आए है, जिसमें एक करोड़ से अधिक लोग स्वस्थ हो चुके है। दुर्भाग्य से इस संक्रमण ने 1.5 लाख से अधिक भारतीयों का जीवन समाप्त कर दिया। 33 करोड़ की आबादी वाले अमेरिका में मृतकों का आंकड़ा भारत से अधिक- अर्थात 3.7 लाख से पार है, तो 21 करोड़ की जनसंख्या वाले ब्राजील में यह आकंड़ा 2 लाख से अधिक है। इस दक्षिण अमेरिकी देश ने भारत से 20 लाख स्वदेशी कोविड-19 वैक्सीन की खुराक मांगी है। सच तो यह है कि यदि चरणबद्ध लॉकडाउन का भारतीय समाज के हर वर्ग द्वारा सख्ती से पालन किया जाता और विशुद्ध राजनीतिक लाभ के लिए प्रवासी श्रमिकों को नहीं भड़काया जाता, तो संभवतः आज की तुलना में भी भारत कहीं बेहतर स्थिति में होता। खेद की बात है कि जहां सरकार और अधिकांश जनता ने मिलकर कोविड-19 के खिलाफ संघर्ष किया, वही समाज में एक भाग ने लापरवाही करने के साथ कुछ राजनीतिक दलों ने संकीर्ण मानसिकता का परिचय देते हुए स्वदेशी कोविड वैक्सीन पर संदेह जता दिया। सोचिए, जिन लोगों को कोरोनावायरस में आजतक चीन नजर नहीं आया है, उन्हे भारत की स्वदेशी वैक्सीन में भाजपा दिखाई दे गया। समाजवादी पार्टी नेता अखिलेश यादव, कांग्रेस नेता शशि थरूर, जयराम रमेश और मनीष तिवारी आदि के हालिया वक्तव्य इसके उदाहरण है। वास्तव में, यह लोग भारतीय समाज के उस वर्ग का प्रतिनिधित्व करते है, जो अपनी मूल जड़ों से कटने के कारण भारत के अधिकांश प्रतीकों और सफलताओं से घृणा करते है।

यह संयोग ही है कि जिस समय दुनिया के सभी शक्तिशाली, संपन्न और समृद्ध देश सहित शेष विश्व कोरोनावायरस के सामने बेबस नजर आ रहा हैं, लगभग 100 वर्ष पहले भी एक वायरस ने उन्हे असहाय बना दिया था। 'स्पेनिश फ्लू' नामक महामारी से वर्ष 1918-20 में दुनियाभर के 50 करोड़ से ज्यादा लोग संक्रमित हुए थे और लगभग 2-5 करोड़ लोगों की मौत हो गई थी। उस वक्त दुनिया की आबादी 1.8 अरब थी, जिसका लगभग एक-तिहाई हिस्सा संक्रमण की चपेट में था। ब्रिटेन द्वारा शासित भारत में तो यह कहर बनकर टूटा था। जैसे कोरोनावायरस चीन से होते हुए विश्व के अन्य देशों की भांति गत वर्ष भारत पहुंचा था, ठीक वैसे ही विदेशी धरती पर जनित 'स्पेनिश फ्लू' ब्रितानी सैनिकों के साथ भारत आया था। प्रथम विश्वयुद्ध की समाप्ति के समय ब्रिटेन का जहाज 29 मई 1918 को मुंबई के बंदरगाह पर पहुंचा था। पहले बंदरगाह पर तैनात 7 सुरक्षाकर्मियों में संक्रमण मिला, तो देखते ही देखते इसके मामले हजारों, लाखों और दो वर्ष के भीतर करोड़ में पहुंच गए। तब तत्कालीन भारत की कुल 25 करोड़ जनसंख्या में से लगभग एक करोड़ लोगों ने जान गंवा दी थी।

भारत-नेपाल: सार्थक संवाद

नेपाल के विदेश मंत्री प्रदीप ग्यावली की यह दिल्ली-यात्रा हुई तो इसलिए है कि दोनों राष्ट्रों के संयुक्त आयोग की सालाना बैठक होनी थी लेकिन यह यात्रा बहुत सामयिक और सार्थक रही है। दोनों देशों के विदेश मंत्रियों ने परस्पर सड़कें बनाने, रेल लाइन डालने, व्यापार बढ़ाने, कुछ नए निर्माण-कार्य करने आदि मसलों पर सहमति दी लेकिन इन निरापद मामलों के अलावा जो सबसे पेंचदार मामला दोनों देशों के बीच आजकल चल रहा है, उस पर भी दोनों विदेश मंत्रियों ने बात की है। नवंबर 2020 में शुरू हुए सीमांत-क्षेत्र के लिपुलेख-कालापानी-लिंपियाधुरा के सीमा-विवाद के कारण दोनों देशों के बीच काफी कहा-सुनी हो गई थी। भारतीय विदेश मंत्रालय इस मामले को इस वार्ता के दौरान शायद ज्यादा तूल देना नहीं चाहता था। इसीलिए उसने अपनी विज्ञप्ति में इस पर हुई चर्चा का कोई संकेत नहीं दिया लेकिन नेपाली विदेश मंत्रालय ने उस चर्चा का साफ-साफ जिक्र किया। इसका कारण यह भी हो सकता

है कि नेपाल की आंतरिक राजनीति का यह बड़ा मुद्दा बन गया है। नेपाल की ओली-सरकार द्वारा संसद में रखे गए नेपाल के नए नक्शे पर सर्वसम्मति से मुहर लगाई गई है। भारत के पड़ौसी देशों की राजनीति की यह मजबूरी है कि उनके नेता अपनी लोकप्रियता बढ़ाने के लिए प्रायः भारत-विरोधी तेवर अख्तियार कर लेते हैं। अब क्योंकि सत्तारुढ़ नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी के दो टुकड़े हो गए है, संसद भंग कर दी गई है और ओली सरकार इस समय संकटग्रस्त है, इसलिए भारत से भी सहज संबंध दिखाई पड़ें, यह जरुरी है। इस काम को नेपाली विदेश मंत्री प्रदीप ग्यावली ने काफी दक्षतापूर्ण ढंग से संपन्न किया है। इस बीच यों भी भारत के सेनापति और विदेश सचिव की काठमांडो-यात्रा ने आपसी तनाव को थोड़ा कम किया है। इंडियन कौंसिल ऑफ वर्ल्ड एफेयर्स में ग्यावली ने कई पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए इतनी सावधानी बरती कि भारत-विरोधी एक शब्द भी उनके मुंह से नहीं निकला। कुछ टेढ़े सवालों का जवाब देते समय यदि वे चूक जाते तो उन्हें नेपाल में चीनी दखलंदाजी को स्वीकार करना पड़ता लेकिन उन्होंने कूटनीतिक चतुराई का परिचय देते हुए विशेषज्ञों और पत्रकारों पर यही प्रभाव छोड़ा कि भारत-नेपाल सीमा-विवाद शांतिपूर्वक हल कर लिया जाएगा। उन्होंने 1950 की भारत-नेपाल संधि के नवीकरण की भी चर्चा की। उन्होंने भारत-नेपाल संबंध बराबरी के आधार पर संचालित करने पर जोर दिया और कोरोना-टीके देने के लिए भारत का आभार माना।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बेलगाम विवाद पर उद्धव का बड़ा ऐलान

'कर्नाटक के कब्जे में हैं मराठी इलाके, महाराष्ट्र में मिलाकर रहेंगे'

स्वतंत्र सागर/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने रविवार को कहा कि उनकी सरकार कर्नाटक के उन इलाकों को राज्य में शामिल करने के लिये प्रतिबद्ध हैं जहां मराठी भाषी लोगों की बहुलता है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने एक ट्वीट में कहा कि इस उद्देश्य के लिए बलिदान देने वालों के लिए यह 'सच्ची श्रद्धांजलि' होगी। महाराष्ट्र राज्य भाषायी आधार पर बेलगाम तथा अन्य इलाकों पर दावा जताता है जो पूर्ववर्ती बॉम्बे प्रेसिडेंसी का हिस्सा थे लेकिन अब कर्नाटक राज्य में आते हैं। बेलगाम तथा कुछ अन्य सीमावर्ती इलाकों को महाराष्ट्र में शामिल करवाने के लिए संघर्ष कर रहे क्षेत्रीय संगठन महाराष्ट्र एकीकरण समिति ने उन लोगों की याद में 17 जनवरी को 'शहीदी दिवस' मनाया, जो इस उद्देश्य के लिए लड़ते हुए 1956 में मारे गए थे।

ट्वीट में लिखा- हमारी प्रतिज्ञा दृढ़ है: मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से ट्वीट किया गया, 'सीमा विवाद में शहीद होने वाले लोगों के लिए सच्ची श्रद्धांजलि होगी कर्नाटक के कब्जे वाले मराठी भाषी तथा सांस्कृतिक इलाकों को महाराष्ट्र में शामिल करना। हम इसके लिए एकजुट हैं और हमारी प्रतिज्ञा दृढ़ है। शहीदों के प्रति सम्मान जताते हुए यह वादा करते हैं।'

महाराष्ट्र करता रहा है इस इलाके पर दावा: बता दें कि बेलगाम को लेकर महाराष्ट्र और कर्नाटक के बीच लंबे वक्त से सीमा विवाद रहा है। बेलगाम के इलाके में मराठी लोग बहुसंख्यक हैं और यह हिस्सा पूर्व में बॉम्बे प्रेसिडेंसी का हिस्सा भी रहा है। फिलहाल बेलगाम कर्नाटक का हिस्सा है और इस हिस्से को महाराष्ट्र में मिलाने के लिए तमाम संगठन संघर्ष करते रहे हैं। बेलगाम समेत अन्य सीमावर्ती इलाकों को लेकर दोनों राज्यों के बीच जारी विवाद कई वर्षों से उच्चतम न्यायालय में लंबित है।

महाराष्ट्र में दो हजार और पक्षी मारे जाएंगे

बर्ड फ्लू की आशंका में चार हजार मारे गए

संवाददाता

औरंगाबाद/मुंबई। महाराष्ट्र के मराठवाड़ा क्षेत्र में परभणी और बीड जिलों के दो गांवों में मृत मुर्गियों के नमूनों की जांच में बर्ड फ्लू पाया गया। इसके बाद शनिवार को 2,000 से अधिक पक्षियों को मारा जा रहा है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। परभणी जिले की सेलू तहसील के कुपता गांव से और बीड जिले के लोखंडी सावरगांव से ये नमूने लिए गए थे। अधिकारियों ने कहा, इन इलाकों को निषिद्ध क्षेत्र घोषित किया गया है और वहां पक्षियों को मारने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। उन्होंने कहा कि इन इलाकों में कुक्कुटों को लाना-ले जाना बंद कर दिया गया है। इससे पहले कुपता और लोखंडी सावरगांव में मृत मिली मुर्गियों के नमूनों को जांच के लिए भेजा गया था। शुक्रवार रात को आई रिपोर्ट में उनमें बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई। जिलाधिकारी दीपक मुगलीकर ने कहा, 'कुपता में शनिवार को पक्षियों को मारने की प्रक्रिया शुरू होगी और करीब 468 पक्षियों को मारा जाएगा।' पशुपालन विभाग के डॉ रवि सुरेवाड ने कहा कि लोखंडी सावरगांव में करीब 1,600 पक्षियों को मारा जा सकता है। महाराष्ट्र में अब तक 3,949 पक्षियों को मारा जा चुका है।

छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस को 'वर्ल्ड क्लास' बनाने की रेस में अडानी भी

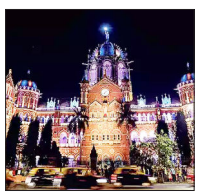

मुंबई। छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस को वर्ल्ड क्लास स्टेशन बनाने और इसके अधिकृत क्षेत्र को रीडिवेलप करने की प्रक्रिया तेज हो गई है। इस कड़ी में इंडियन रेलवे स्टेशन डिवेलपमेंट कॉरपोरेशन (आईआरएसडीसी) को दस कंपनियों की अर्जियां प्राप्त हुई हैं। ये अर्जियां रिक्वेस्ट फॉर क्वालिफिकेशन (आरएफक्यू) के लिए हैं। अर्जी देने वाली कंपनियों में ओबेरॉय रियलिटी लिमिटेड, गोदरेज प्रॉपर्टी लिमिटेड और अडानी रेलवेज ट्रांसपोर्ट लिमिटेड सहित दस कंपनियों के नाम शामिल हैं। गौरतलब है सीएसएमटी स्टेशन को वर्ल्ड क्लास बनाने का काम पीपीपी मॉडल पर किया जा रहा है। इसमें लाभान्वित कंपनी को लीज पर रेलवे की जमीन दी जाएगी, जिसका इस्तेमाल रीडिवेलपमेंट के लिए भी किया जाएगा। रीडिवेलपमेंट प्रोजेक्ट के तहत सीएसएमटी रेलवे स्टेशन को मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट हब बनाया जाएगा। इसमें आगमन और प्रस्थान, दिव्यांग अनुकूल स्टेशन, यात्रियों के लिए सेवाओं के बेहतर स्तर, ऊर्जा कुशल भवन और विरासत स्थल को अपने 1930 के स्तर के अनुसार रीस्टोर करना शामिल होगा। सीएसएमटी रेलवे स्टेशन एक सिटी सेंटर रेल मॉल की तरह काम करेगा, जहां एक यात्री की परिवहन आवश्यकताओं के अलावा, उसकी दैनिक जरूरतें भी पूरी होती हों। जैसे- रिटेल, एफ ऐंड बी, एंटरटेनमेंट, सौवेनिर शॉपिंग आदि।

(पृष्ठ 1 का शेष)

शास्त्रीय गायक उस्ताद गुलाम मुस्तफा खान का निधन

लता मंगेशकर ने एक अन्य ट्वीट में लिखा, 'मेरी भांजी ने भी खान साहब से संगीत सीखा है, मैंने भी उनसे थोड़ा संगीत सीखा है। उनके जाने से संगीत की बहुत हानि हुई है। मैं उनको विनम्र श्रद्धांजलि अर्पण करती हूं।' एआर रहमान ने अपने ट्विटर हैंडल पर लिखा, 'वह सभी के सबसे प्यार शिक्षक थे... उस्ताद गुलाम मुस्तफा खान को अल्लाह अपनी दुनिया में खास जगह दे।' इसके साथ ही एआर रहमान ने उस्ताद गुलाम मुस्तफा खान का एक वीडियो शेयर किया है। उस्ताद गुलाम मुस्तफा खान के निधन की खबर उनकी बहू नम्रता ने सोशल मीडिया पर शेयर की। जिसमें उन्होंने लिखा- बहुत ही भारी दिल के साथ बताना पड़ रहा है कि कुछ ही मिनट पहले मेरे ससुर, हमारे परिवार के स्तंभ और देश के लीजेंड, पद्मा विभूषण उस्ताद गुलाम मुस्तफा खान ने आज इस दुनिया को अलविदा कह दिया है। इन्ना लिल्लाही व इन्ना इलैही राजिऊन। अल्लाह उन्हें जन्नत उल फिरदौस में ऊंचा मुकाम अता करे। मुस्तफा खान का जन्म 3 मार्च, 1931 को उत्तर प्रदेश के बदायूं में हुआ था। उस्ताद गुलाम मुस्तफा के शिष्यों में सोनू निगम, हरिहरन, शान, आशा भोंसले, गीता दत्त, मन्ना डे, एआर रहमान और लता मंगेशकर का नाम शुमार है। उस्ताद गुलाम मुस्तफा खान को पद्मश्री, पद्म भूषण और पद्म विभूषण अवॉर्ड से नवाजा गया था।

देश में अब तक 2 लाख 24 हजार से ज्यादा को लगा टीका

केंद्र ने कहा कि प्रतिकूल प्रभाव सामने आने के बाद अस्पताल में भर्ती कराए गए 3 व्यक्तियों में से दो को उत्तर रेलवे अस्पताल और दिल्ली के एम्स से छुट्टी दे दी गई है और एक एम्स, ऋषिकेश में निगरानी में है और उसकी स्थिति ठीक है। मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव मनोहर अगनानी ने कहा कि 2,07,229 लाभार्थियों को शनिवार को टीके लगाये गए जो कि किसी देश में एक दिन में टीकाकरण की सबसे अधिक संख्या है। उन्होंने कहा कि रविवार होने के चलते सिर्फ 6 राज्यों ने कोरोनावायरस टीकाकरण अभियान चलाया और 553 सत्रों में कुल 17,072 लाभार्थियों को टीका लगाया गया। अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार 17 जनवरी तक कुल 2,24,301 लाभार्थियों को टीके लगाए गए हैं। उन्होंने कहा कि 16 और 17 जनवरी को कुल 447 एईएफआई (टीकाकरण के बाद प्रतिकूल प्रभाव) की सूचना मिली है, जिनमें से केवल 3 को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है। अब तक सामने आए प्रतिकूल प्रभावों में से ज्यादातर मामूली थे जैसे बुखार, सिरदर्द, मितली आना। अधिकारी ने कहा कि प्रतिकूल प्रभाव के कुछ मामलों में अस्पताल में भर्ती करने की आवश्यकता हो सकती है जिन्हें गंभीर प्रभाव के तहत वर्गीकृत किया जाता है। उन्होंने कहा कि टीकाकरण सत्र स्थल पर ऐसे मामलों की सूचना, तत्काल प्रबंधन, परिवहन और अस्पताल में भर्ती कराने के लिए प्रोटोकॉल लागू हैं। अधिकारी ने कहा कि राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को नियमित स्वास्थ्य सेवाओं में व्यवधान को कम करने के लिए सप्ताह में 4 दिन कोविड-19 टीकाकरण सत्र की योजना बनाने की सलाह दी गई है और कुछ राज्यों ने पहले ही अपने साप्ताहिक टीकाकरण दिनों को सार्वजनिक कर दिया है। स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि लगभग 50 प्रतिशत लाभार्थियों ने दिल्ली, असम और आंध्रप्रदेश में टीका लिया है और उम्मीद जताई कि टीकाकरण अभियान में जल्द ही तेजी आएगी।

पश्चिम बंगाल के सियासी मैदान में शिवसेना भी ठोकेगी ताल

वहीं महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे भी जल्द ही पश्चिम बंगाल का दौरा कर सकते हैं। इससे पहले साल 2019 में हुए लोकसभा चुनावों में भी शिवसेना ने बंगाल में अपने 15 उम्मीदवार उतारे थे। उस समय शिवसेना एनडीए का हिस्सा थी। लेकिन पार्टी को बंगाल में असफलता हाथ लगी थी। बंगाल चुनावों के लिए कांग्रेस और वाम मोर्चे ने हाथ मिलाया है। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख और राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कांग्रेस और वाम दलों से साथ आने की अपील की थी, लेकिन दोनों ने ही इस पेशकश को ठुकरा दिया है। शिवसेना की बात करें तो महाराष्ट्र में उसने कांग्रेस की मदद से सरकार बनाई है, ऐसे में संभव है कि यहां भी दोनों दल हाथ मिला लें। लेकिन, यहां पर पेच यह है कि कांग्रेस के कई नेता मौके-बेमौके यह कह चुके हैं कि पार्टी का शिवसेना से नाता केवल महाराष्ट्र में है, और कहीं नहीं। उधर, भाजपा पूरे दम-खम के साथ चुनावी तैयारियों में जुटी है। उसे अकेले दम पर इस बार सरकार बनाने का भरोसा है। ऐसे में राज्य की राजनीतिक स्थिति क्या बनती है यह तो समय ही बताएगा, लेकिन मामला रोचक होना तय है।

बहुजन समाज पार्टी जिला पटियाला के प्रधान सिंह बख्शिवाला की अगवाई में उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती का जन्मदिन मनाया गया

बहुजन समाज पार्टी जिला पटियाला के प्रधान सिंह बख्शिवाला की अगवाई में बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय प्रधान बहन कुमारी मायावती जी पूर्व मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश व राजसभा मैंबर जी का जन्म दिन मनाया गया। जिस में मुख्य मेहमान के तौर पर रणधीर सिंह बैनीवाल इंचार्ज पंजाब और चंडीगढ़ विशेष मेहमान के तौर पर सूबा जनरल सकातर बलदेव सिंह मेहरा और जोगा सिंह पनोडियन पहुंचे, इस मौके लोकसभा जोन इंचार्ज जगजीत सिंह छरबर शामिल हुए। इस मौके पर रणधीर सिंह बैनीवाल जी को जोध सिंह अजनौदा ने 11000 रुपए आर्थिक फंड और मेहर सिंह सब डिविजनल इंजीनियर साहिब वॉटर सप्लाई एंड सैनिटेशन विभाग ने भी 3000 रुपए आर्थिक फंड दिया गया। इस मौके पर सुरजीत सिंह गोरिया जिला सेक्रेट्री जिला पटियाला, सुख लाल जिला इंचार्ज, हल्का घनौर के इंचार्ज एडवोकेट जसपाल सिंह इंचार्ज, हल्का घानौर के प्रधान बलकार सिंह हरपालपुर,पटियाला देहाती प्रधान रवि कुमार, सीनियर नेता जगतार सिंह रोरेवाल, हल्का सामना से चंद सिंह भट्ठी, सदीप सिंह गागट्ट, नज्जर सिंह, अमर सिंह सांपला इंचार्ज नाभा,जगतार सिंह बहादुरगढ़, कुलवंत सिंह दफ्तर सेक्ट्री, घोला सिंह सनौर, मघर सिंह कांसुहा सीनियर नेता बसपा, चरनजीत पूरी, सूखा सिंह तेप्ला, लाल चंद, सुनील कुमार, सत्य कुमारी चेयरपर्सन झिल, करनैल सिंह, और बहुत सारे आगु, सारे बसपा वर्कर, सपोर्टर आदि शामिल हुए। इस के अलावा जो किसानों के विरूद्ध तीन कानून पास किए गए हैं उनको रद्द करने की मांग की गई। स्टेज के मंच की कार्रवाई रूप सिंह बठोई सीनियर आगू बसपा ने निभाई।

पवन सिंह, रितेश पांडे और देवेन्द्र तिवारी का जबरदस्त धमाका, लेकर आ रहे हैं साइको सईयां

भोजपुरी सिनेमा के पावर स्टार पवन सिंह ने सुपरस्टार रितेश पांडे के साथ जाने माने फिल्म निर्देशक व सिनेमाटोग्राफर देवेन्द्र तिवारी के निर्देशन में नये साल के शुरूआत में मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर बड़ा धमाका किया है। जी हां, पवन सिंह ने अपने प्रोडक्शन हाउस माँ अम्मा फिल्म्स से बनने वाली पहली भोजपुरी फिल्म साइको सईयां का शुभ मुहूर्त विधिवत पूजा पाठ करके किया गया। फिल्म के मुहूर्त की पूजा पुरोहित सुरेश गुरु ओझा ने कराया। फिल्म के निर्देशन की बागडोर देवेन्द्र तिवारी संभाल रहे हैं। माँ अम्मा फिल्म्स व यशी फिल्म्स (अभय सिन्हा) प्रस्तुत भोजपुरी फिल्म साइको सईयां में केन्द्रीय भूमिका में पवन सिंह और रितेश पांडे धमाल मचाने वाले हैं। वे पहली बार एक साथ रूपहले नजर आने वाले हैं। जोकि सिनेप्रेमियों के लिए सरप्राइज पैक्ड है। फिल्म के मुहूर्त के शुभ अवसर पर फिल्म मेकर धनंजय सिंह, राजीव रंजन सिंह, अमित सिंह, अभिनेता संजय वर्मा आदि मौजूद थे। इस अवसर पर पवन सिंह के साथ सुपरहिट गाना बथता कमरिया में धमाल मचा चुकी फिल्म अभिनेत्री डिम्पल सिंह भी थीं। उल्लेखनीय है कि निर्माणधीन फिल्म साइको सईयां के निर्माता अजीत सिंह हैं। निर्देशक व सिनेमाटोग्राफर देवेन्द्र तिवारी हैं।

संगीतकार छोटे बाबा, म्यूजिक प्रोड्यूसर आदित्य देव हैं। कार्यकारी निर्माता विष्णु सिंह हैं। इस फिल्म की शूटिंग जल्द ही भव्य पैमाने पर शुरू की जाएगी। गौरतलब पवन सिंह बतौर निर्देशक देवेन्द्र तिवारी के साथ सुपरहिट फिल्म मैंने उनको सजन चुन लिया दे चुके हैं। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपर डुपर हिट रही है और अब यह बड़ा धमाका है। आपको बता दें कि पवन सिंह ने हाल ही में यशी फिल्म की एक फिल्म की शूटिंग लंदन में पूरी की है। बहरहाल, अनोखे नाम वाली फिल्म साइको सइयां की मुहूर्त के बाद से ही सोशल मीडिया पर गहमागहमी बढ़ गई है।

सही मायने में समाज सेवा क्या होती है यह कर दिखाती है सलमा मेमन और उनकी पूरी उम्मीद फाउंडेशन की टीम

जी हां आपको बता दें कि सही मायने में समाज सेवा क्या होती है यह कर दिखाती है सलमा मेमन और उनकी पूरी उम्मीद फाउंडेशन की टीम। बच्चों के लिए एंजेल रूप में जानी जाती है और लोगों की आशा की किरण है। उम्मीद फाउंडेशन के प्रोजेक्ट में लगभग 15 सौ से अधिक ऐसे बच्चे हैं जो सिंगल पैरेंट चाइल्ड है यानी जिनके पिता नहीं है या फिर माता-पिता दोनों नहीं है। यह बच्चे मुंबई के अलग अलग झुग्गी झोपड़ियों में रहते हैं इस कोरोना महामारी में इन लेडीस का कामकाज बंद होने के कारण काफी तकलीफों से उन्हें गुजर ना पड़ रहा है। सलमा मेमन, साजिद बुखारी और उनकी पूरी टीम इन बच्चों को फ्री एजुकेशन देने के साथ-साथ उन्हें अच्छा भोजन और अधिक सामग्री से मदद करने का प्रयास कर रही है। सोशल मीडिया द्वारा लोगों से अपील करते हैं की अपना जन्मदिन, एनिवर्सरी या कोई भी अवसर पर आप से गुजारिश है की आईए और इन बच्चों के साथ मनाइएं। लोगों ने भी इनके साथ बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं और इन बच्चों को भरपेट भोजन खिला रहे हैं साथी जरूरत सामग्री जैसे कि किताबें, स्टेशनरी, राशन, हाइजीन केट, पुराने कपड़े, खिलौने अधिक चीजें इन बच्चों के साथ बांट रहे हैं। गौरतलाब की बात यह है कि या खाना जो है इन्हीं लेडीस से बनवा इनको एंपावरमेंट करने की कोशिश भी उम्मीद फाउंडेशन की पूरी टीम कर रही है ताकि इन लेडीस को अपनी मेहनत की कमाई करने का मौका मिले और साथ ही गरीब बच्चों को भरपेट खाना मिले। अंत में सलमा मेमन और साजिद बुखारी सभी दोस्तों का का शुक्रिया अदा करती हैं जिन्होंने हमारे कार्य में साथ दिए, आप सभी के बगैर मेरा कार्य अधूरा है, आप सभी अपना साथ यूं ही देते रहिए और हम खुशियां फैलाते रहेंगे।

ओवैसी को बताया भाजपा का एजेंट

शिवसेना ने सामना में लिखा- कमल के फूल के भंवरा मियां ओवैसी ही हैं

उन्नाव से सांसद साक्षी महाराज ने दो दिन पहले कहा था कि ओवैसी ने बिहार में भाजपा की मदद की थी

मुंबई। एआईएमआईएम के चीफ असदुद्दीन ओवैसी का नाम लेकर शिवसेना ने पार्टी के मुखपत्र सामना की शनिवार की संपादकीय में भाजपा पर निशाना साधा है। 'सामना' में शिवसेना ने लिखा है- भारतीय जनता पार्टी द्वारा ओवैसी साहब की पोल खोल दिए जाने से दूध का दूध और पानी का पानी हो गया है। साक्षी महाराज के बयान का हवाला देते हुए तंज कसा गया है कि ओवैसी मियां की एआईएमआईएम मुसलमानों की तारणहार नहीं बल्कि भारतीय जनता पार्टी का अंगवस्त्र है। शिवसेना ने लिखा है कि भाजपा के प्रमुख नेता साक्षी महाराज ने अब डंके की चोट पर कहा है, 'हां, मियां औवैसी भाजपा के ही पॉलिटिकल एजेंट हैं और ओवैसी की सहायता से ही हम चुनाव जीतते रहते हैं।' शिवसेना ने आगे लिखा है कि 'साक्षी महाराज ने लोगों के इस भ्रम को दूर करके साबित कर दिया है कि कमल के फूल के भंवरा मियां ओवैसी ही हैं।' बिहार में ओवैसी ने मुस्लिम बहुल सीमांचल क्षेत्रों में पांच सीटें जीतीं और लगभग 17-18 सीटों पर तेजस्वी यादव का नुकसान किया वरना बिहार में राजनीतिक परिवर्तन अवश्य हुआ होता। मुसलमानों के वोट 'सेक्युलर' छाप राजग, समाजवादी पार्टी या कांग्रेस की ओर न जाने पाए, उन्हें एकतरफा वोट न मिले, इसके लिए मियां ओवैसी का बाकायदा उपयोग किया जाता है। बिहार के चुनाव से यह बात साफ हो गई है। राष्ट्रीय लोकदल, कांग्रेस और अन्य विरोधी दलों ने ओवैसी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। मुस्लिम वोट काटकर भाजपा को फायदा हो, इसके लिए ही मियां ओवैसी की हलचल बनी रहती है, ऐसा आरोप ये लोग लगा रहे थे। तब तक ठीक था लेकिन भाजपा के ही एक कुनबे से यह सब घोषित तौर पर कहा जाने लगा है। पश्चिम बंगाल में मियां ओवैसी ने जो काम शुरू किया है, उससे भाजपा का चेहरा आनंद से खिल उठा है। ओवैसी की सहायता से भाजपा को बंगाल जीतना है, मतलब हिंदुत्व विरोधी शक्ति का उपयोग कर के ही हिंदुत्व की जय-जयकार करनी है। मियां ओवैसी एक अच्छेकानूनी जानकार हैं, उनकी जो भी राजनीति है, वो रहे उनके पास, मुसलमानों का जीवन स्तर सुधरे, मुसलमानों को मुख्यधारा में लाकर उनके जीवन के अंधेरे और धर्मांधता को दूर करने के लिए ओवैसी जैसे विद्वानों ने काम किया तो देश का भला होगा लेकिन हिंदुस्तान के पेट में बढ़ने वाले दूसरे पाकिस्तान को अधिक जहरीला धर्मांध बनाकर ये लोग राजनीति कर रहे हैं। उनकी राजनीति हिंदू द्वेष पर आधारित है। ओवैसी और उनके परिवारवालों ने पिछले दिनों जिस प्रकार के तीखे बयान दिए, वे धक्कादायक हैं। 25 करोड़ मुसलमान 100 करोड़ हिंदुओं पर भारी पड़ेंगे। पुलिसवालों को एक तरफ कर दो, फिर देखो हम क्या करके दिखाते हैं। इस प्रकार के उग्र बयान ओवैसी के भाई घोषित तौर पर देते हैं। अब यही ओवैसी भाजपा के विजय रथ का मुख्य पहिया बने हुए हैं। भारतीय जनता पार्टी ओवैसी जैसे लोगों की मदद लेकर फायदे की राजनीति करती है. फिर ये लोग ऐसी 'लफ्फाजी' करते हुए घूमते हैं कि देखो, हम राष्ट्रवादी या हिंदुत्ववादी हैं। मियां ओवैसी की पार्टी उनकी ही एक गुप्त शाखा है, उन्हें यह स्वीकार करना होगा। ऐसी कई गुप्त शाखाएं उन्होंने हर राज्य में पाल-पोसकर रखी हैं। इनका जोर मत विभाजन पर ही है और महाराष्ट्र की मनपा तथा अन्य चुनावों में भी ऐसे मत विभाजन करनेवाले 'यंत्र' बनाकर रखे हैं।

साक्षी महाराज ने यह कहा था...

उन्नाव से सांसद साक्षी महाराज ने दो दिन पहले कहा था कि ओवैसी ने बिहार में भाजपा की मदद की थी। बंगाल और यूपी विधानसभा चुनाव में भी मदद करेंगे। हालांकि, साक्षी महाराज के इस बयान से उनकी पार्टी ने दूरी बना ली थी। पार्टी के वरिष्ठ नेता व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने दो टूक कहा है कि भाजपा को जनता जिता रही है। कोई बी टीम, सी टीम और डी टीम नहीं जिता रही है, भाजपा के साथ जनता है और इसी वजह से वह देश में चुनाव जीत रही हैं।

डीजल-पेट्रोल पर टैक्स: एक्साइज ड्यूटी से सरकार ने 8 महीने में 1 लाख 96 हजार करोड़ कमाए

यह पिछले साल से 64 हजार करोड़ ज्यादा

नई दिल्ली। महामारी से बिगड़ी अर्थव्यवस्था के बीच सरकार के लिए राहत की खबर आई है। 2020 के अप्रैल-नवंबर के दौरान पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी कलेक्शन में 48% की बढ़त दर्ज की गई है। कंट्रोलर जनरल ऑफ अकाउंट (सीजीए) के मुताबिक आठ महीने के दौरान एक्साइज ड्यूटी कलेक्शन 1.96 लाख करोड़ रुपए रहा, जो पिछले साल की समान अवधि में 1.32 लाख करोड़ रुपए रहा था। देश में सबसे ज्यादा इस्तेमाल किए जाने वाले डीजल की बिक्री एक करोड़ टन से ज्यादा घटी है। पेट्रोलियम प्लानिंग एंड एनालिसिस सेल के मुताबिक, 2020 में अप्रैल-नवंबर के दौरान डीजल की बिक्री 4.49 करोड़ टन रही। यह पिछले साल 5.54 करोड़ टन रही थी। इसी तरह पेट्रोल की खपत में भी कमी आई है। 2020 में अप्रैल-नवंबर के बीच यह 1.74 करोड़ टन रही, जो पिछले साल 2.04 करोड़ टन थी। भारी एक्साइज ड्यूटी और वैट के कारण दिल्ली और मुंबई जैसे बड़े शहरों में डीजल और पेट्रोल की कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई हैं। 17 जनवरी को दिल्ली में पेट्रोल 84.70 रुपए प्रति लीटर और डीजल 74.88 रुपए प्रति लीटर रहा। 2017 में लॉन्च नए टैक्स सिस्टम गुड्स एंड सर्विस टैक्स (जीएसटी) के दायरे से ऑयल प्रोडक्ट्स और प्राकृतिक गैस को बाहर रखा गया है। इन पर केंद्र सरकार एक्साइज ड्यूटी और राज्य सरकारें वैट लगाती हैं। पिछले साल कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट के बाद सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी बढ़ा दी थी। दुनियाभर में लॉकडाउन के कारण कच्चे तेल की कीमतें दो दशक के निचले स्तर पर पहुंच गई थीं। इस दौरान सरकार ने दो बार में एक लीटर पेट्रोल पर 13 रुपए और डीजल पर 16 रुपए एक्साइज ड्यूटी बढ़ा दी थी। यह अभी बढ़कर एक लीटर पेट्रोल पर 32.98 रुपए और एक लीटर डीजल पर 31.83 रुपए हो गई है।

राजस्थान हलचल

झूलते बिजली के तारों की वजह से हुआ जालौर के महेशपुरा का बस हादसा

हादसे के लिए जोधपुर विद्युत वितरण निगम के इंजीनियर हैं जिम्मेदार, ठेके पर चल रहा है विद्युत निगम का काम

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हूसैन

जालौर। जिले के महेशपुरा गांव में जो बस हादसा हुआ, उसमें अब तक 6 तीर्थ यात्रियों की मौत हो चुकी है। अभी भी कई तीर्थ यात्री जालौर और जोधपुर के अस्पतालों में गंभीर अवस्था में भर्ती हैं। अजमेर और ब्यावर के जैन परिवारों के सदस्य नाकोड़ा तीर्थ स्थल पर दर्शन करने गए थे। लेकिन वापस लौटते समय बस महेशपुरा गांव में झूलते बिजली के तारों की चपेट में आ गई। जोधपुर विद्युत वितरण निगम के अधीन आने वाले जालौर में बिजली के तार इतने नीचे थे कि बस से टकरा गए तारों के टकराने के साथ ही बस में करंट दौड़ पड़ा और आग लग गई।

6 तीर्थ यात्रियों की मौत

6 जने बस के अंदर आग में जिंदा जल गए, जबकि बस पूरी तरह खोखली हो गई। अभी भी अनेक यात्री अस्पतालों में मौत से संघर्ष कर रहे हैं। सवाल उठता है कि इस हादसे का जिम्मेदार कौन है? क्या इस दर्दनाक हादसे का जिम्मेदार जोधपुर का विद्युत वितरण निगम नहीं है? बिजली के तारों के रख रखाव की जिम्मेदारी निगम के इंजीनियरों की है। बिजली के झूलते तारों को ऊंचा और टाइट करने की जिम्मेदारी भी निगम के इंजीनियरों की है। निगम के इंजीनियर सरकार से मोटी तनख्वाह लेते हैं, लेकिन अपना काम जिम्मेदारी के साथ नहीं करते। बस में आग लगने की जिम्मेदारी पूरी तरह जोधपुर विद्युत वितरण निगम के अधिकारियों की है। सरकार को तत्काल प्रभाव से दोषी इंजीनियरों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज करना चाहिए तथा ऐसे अधिकारियों को बर्खास्त करना चाहिए। विद्युत निगमों के श्रमिकों की प्रतिनिधि संस्था श्रमिक संघ के प्रतिनिधि विनीत कुमार जैन ने महेशपुरा जैसे हादसों के लिए निगम में बढ़ते निजीकरण को जिम्मेदार ठहराया है।

महेशपुरा बस हादसे के संदर्भ में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को लिखे पत्र में जैन ने बताया कि विद्युत निगमों में इन दिनों 33/11 केवी जीएसएस का संचालन ठेके पर करवाया जा रहा है। इसी प्रकार फाल्ट ठीक करने नई लाइने लगाने, विद्युत विपत्र छपाने, ट्रांसपोर्टेशन ऑडिट कार्य आदि ठेके पर करवाए जा रहे हैं। जिसकी वजह से काम की गुणवत्ता नहीं हो पा रही है। प्रदेश में इससे पहले भी बांसवाड़ा और दौसा में विद्युत तारों की वजह से भीषण हादसे हुए हैं। हर बार निगम के अधिकारी सच्चाई को छिपा कर झूठी जांच रिपोर्ट तैयार करवा लेते हैं। जैन ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि विद्युत निगम में ठेके के कार्यों को तत्काल प्रभाव से बंद करवाया जाए और निगमों में तकनीकी कर्मचारियों की भर्ती करवा कर गुणवत्ता को मजबूत किया जाए।

रामपुर हलचल

पुलिस, राजस्व विभाग, एवं नगर पालिका परिषद व व्यापार मंडल के सहयोग से नगर का मुख्य मार्ग सदर बाजार आदि का अतिक्रमण को लेकर सख्ती के साथ चलाया गया अभियान

संवाददाता/नदीम अख्तर

टाण्डा (रामपुर)। पुलिस, राजस्व विभाग, एवं नगर पालिका परिषद व व्यापार मंडल के सहयोग से नगर का मुख्य मार्ग सदर बाजार आदि का अतिक्रमण को लेकर सख्ती के साथ अभियान चलाया गया अभियान के दौरान ही अतिक्रमण करने वालों को सचेत दिशा निदेर्श देते हुए कहा कि नगर के मुख्य मार्ग की दोनों साइडों पर नाले से बाहर अतिक्रमण कर्ता पाया जाता है तब ऐसी दशा में उसके विरुद्ध सख्त से सख्त कार्यवाही कर अम्ल में लाई जायेगी दोनों पर अतिक्रमण को बढ़ावा देकर मार्ग को तंग कर दिया जाता है जिससे यातायात अवरूद्ध होकर रह जाता है साथ ही दुर्घटना होने की आशंका भी बनी रहती है। अतिक्रमण अभियान को लेकर

दुकानदारों सहित फल, ठेला, सब्जी आदि के फड़ वालों में हड़कम्प एवं भगदड़ मची रही। अतिक्रमण अभियान बीच बीच में जारी रखा जायेगा अभियान के दौरान कोई भी अतिक्रमण कारी अभियान की जद में नहीं आ सका है कुछ ठेले वाले अपने अपने ठेले लेकर मौके से भाग लिये दुकानदारों ने अपना सामान अपनी अपनी दुकानों के अन्दर एवं नाले की सीमा के अन्दर ही रखना शुरू कर दिया है। बेक्रिया होकर अपनी दुकानदारी चलाते नजर आ रहे हैं फिल्हाल दुकानों के सामने दो पहीयां वाहनों पर नियंत्रण नहीं कर सके हैं उनको भी सचेत किया गया है। अभियान के दौरान राजस्व विभाग के कानूनगो, एस आई रामवीर सिंह, एस. आई. सुरेश चन्द्र एस आई अंश यादव महिला कांस्टेबिल, कुल्दीप अन्य पुलिस कर्मियों सहित व्यापार मंडल के युवा नगरध्यक्ष मु०सलीम कसगर व्यापार मंडल के मुशर्रफ अली, अ०समद, अजमत अली, हाजी अतीक, मु०तस्लीम, महबूब अली, हाजी अ० वहाब, पप्पू लाल, मु०मकसूद आदि नगर पालिका परिषद का स्टाफ मौजूद रहा।

चैयरमेन भूमि विकास बैंक व सभासद मो. जमील के आवास पर छात्रों एव नगर वासियों को किया सम्बोधित

संवाददाता नदीम अख्तर

टाण्डा (रामपुर)। ज्ञान रथी मीडिया कालेज कुमाऊ यूनिवर्सिटी, नैनीताल काशीपुर के चैयरमेन संतोष मेहरोत्रा जी नगर के मोहल्ला बरगद नें चैयरमेन भूमि विकास बैंक व सभासद मो० जमील के आवास पर छात्रों एव नगर वासियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज का समय बच्चों को आगे की ओर बढ़ाना है जिससे हमारे समाज के अन्दर बुरी कुरितियों को नष्ट करते हुए शिक्षा को आगे की ओर बढ़ाना है शिक्षा ही एक ऐसा हुनर है इससे हमारे समाज के अन्दर जागरूकता फैलती है शिक्षा हासिल करने के उपरान्त हमारे बच्चे आई एस. जैसे डा० इन्जीनियर की डिग्रियां हासिल कर बड़े बड़े पदों पर रहकर अपनी व पूरे समाज की सेवा कर सकें। हाजी मु० जमील न०पा० सभासंद ने भी सभा को सम्बोधित किया साथ ही शिक्षा को लेकर अपने विचार रखे। इस मौके पर संतोष मेहरोत्रा चैयरमेन, शिवानी मेहरोत्रा सेक्रेट्री,सुची प्रतिमा डायरेक्टर,कण सिंह विभागाध्यक्ष, शीतल सुब्बा असिस्टेंट प्रीफेसर, गुंजन लोहनी व्यवस्थापक प्रमुख, हाजी मो०जमील चैयरमेन भूमि विकास बैंक, सुन्दर लाल, हाजी बाबू, अकबर अली आदि उपस्थित रहे।

हरियाणा में 464 करोड़ का जीएसटी घोटाला: 89 गिरफ्तार, 112 करोड़ बरामद, 72 मामले दर्ज

संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा पुलिस ने बड़े पैमाने पर माल एवं सेवा कर (जीएसटी) घोटाले के खिलाफ एक सुव्यवस्थित अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए जीएसटी फर्जी चालान बिल घोटाले में शामिल फर्जी फर्मों के चार प्रमुख गिरोह सहित अन्य आरोपियों का पदार्फाश किया है। इन फर्जी फर्मों ने धोखाधड़ी के माध्यम से 464.12 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का गोलमाल कर सरकारी खजाने को नुकसान पहुंचाया। इन जालसाजों की सांठगांठ न केवल हरियाणा में बल्कि पूरे देश में सक्रिय थी। जीएसटी फर्जी चालान घोटाले में पुलिस ने अब तक 112 करोड़ रुपये से अधिक की रिकवरी कर जाली जीएसटी आइडेंटिफिकेशन नंबर (जीएसटीआईएन) का भी खुलासा किया है। इस संबंध में अब तक राज्य अपराध शाखा के पास कुल 72 पुलिस मामले दर्ज हुए हैं, जिसमें 89 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गया है। कुल गिरफ्तारी में अधिकतम 40 मामले गोविंद शर्मा, गौरव, अनुपम सिंगला और राकेश अरोड़ा के खिलाफ दर्ज किए गए हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

रोजाना करेंगे ये काम तो कभी नहीं होंगे Dark Circle

आंखों के नीचे काले घेरे आमतौर पर कम सोने, कंप्यूटर पर देर रात तक काम करते रहने, शारीरिक कमजोरी, अधिक थकावट होने या किसी बीमारी की वजह से होते हैं। इससे चेहरे का अट्रैक्शन खत्म हो जाता है। यही कारण है कि आंखों के नीचे के काले घेरों से अधिकांश लड़कियां परेशान रहती हैं। यूं भी आंखों के ऊपर और नीचे की त्वचा चेहरे के अन्य हिस्सों के मुकाबले नाजुक और पतली होती है। इसके अलावा आंखों के नीचे मॉइश्चराइजर ग्रंथियां भी नहीं होती। वैसे भी त्वचा के इस हिस्से पर उम्र, तनाव और लापरवाही का प्रभाव जल्दी पड़ता है।

ऐसे करें बचाव

1. आंखों की सुंदरता के लिए कम से कम आठ घंटे जरूर सोए। मगर इस बात का भी ध्यान रखें की जरूरत से ज्यादा सोने पर भी आंखों के नीचे काले घेरे पड़ जाते हैं।
2. आंखों की त्वचा बहुत नाजुक होती है इसलिए उसकी केयर करना भी उतना ही जरूरी होता है। आंखों की सुंदरता को बनाएं रखने और डार्क सर्कल की समस्या से बचने के लिए आंखों के नीचे हल्के-हल्के हाथों से मसाज करें।
3. अधिक तेज या कम रोशनी में पढ़ाई-लिखाई या अन्य काम ना करें। इसके साथ ही लगातार कंप्यूटर पर काम करने से बचें।
4. अधिक तली और मसालेदार चीजों का सेवन ना करें और दिन में लगभग 8 से 10 गिलास पानी अवश्य पीएं।
5. आंखों के आस-पास गहरा मेकअप ना करें। यह आंखों को काफी हद तक नुकसान पहुंचता है। सोने से पहले मेकअप जरूर उतार लें।
6. आंखों के आस-पास ब्लीच ना करें। इससे आंखों को कोमल त्वचा लटक जाती है।

ऐसे दूर करें आंखों के काले घेरे

1. कच्ची हल्दी को दूध में घिस पर उसमें थोड़ा-सा शहद मिलाकर पेस्ट बना लें। रात को सोने से पहले इसे आंशों के नीचे काले घेरो पर लगाकर सो जाएं। सुबह चेहरा धो लें। कुछ ही दिन में यह समस्या दूर हो जाएगी।
2. आलू को पीसकर इसे आंखों के नीचे हल्के हाथों से मलें। ऐसा नियमित रूप से करने पर काले घेरे दूर हो जाते हैं।
3. आधा चम्मच खीरे का रस, दो बूंद शहद, दो बूंद आलू का रस एवं दो बूंद बादाम का तेल अच्छी तरह मिला लें। इसे रूई से आंखों के नीचे लगाने से यह समस्या दूर होती है।
4. एक बादाम को रातभर दूध में भिगोएं। सुबह बादाम को घिसें तथा इसे काले घेरों लगाकर सूखने दें।
5. एक चम्मच गुलाब जल और एक चम्मच खीरे का रस अच्छी तरह से मिला लें। कॉटन से आंखों के नीचे नियमित लगाने से यह समस्या दूर होती है।
6. शहद और बादाम के तेल को समान मात्रा में लेकर अच्छी तरह से मिला लें। इससे भी आंखों के नीचे पड़े डार्क सर्कल से राहत मिलीती है।

शुगर हो या ब्लड प्रेशर, हर बीमारी का इलाज हैं आम के पत्ते

आम हर किसी का पसंदीदा फल है। बच्चे हो या बूढ़े हर कोई इसको बड़े ही शौक से साथ खाता है। मगर क्या आप जानते हैं आम ही नहीं इसके पत्ते भी किसी औषधि से कम नहीं हैं। इसके पत्तों में एंटीऑक्सीडेंट गुण, विटामिन ए,बी और सी होता है जो अच्छे स्वस्थ के लिए बहुत फायदेमंद है। आज हम आपको आम की पत्तियों को सेवन करने का तरीका और इससे होने वाले फायदों के बारे में बताएंगे।

इस तरह करें आम की पत्तियों का इस्तेमाल

- छोटी आकार वाली पत्तियों को अच्छे से धोने के बाद छोटे टुकड़ों में काटकर चबाना सेहत के लिए अच्छा होता है।
- इसके अलावा आम के पत्तों को रात भर गुनगुने पानी में भिगोकर रखें और सुबह खाली पेट वह पानी पी सकते हैं।
- आप चाहें तो आम की पत्तियों को धूप में सुखा कर इसका पाउडर बनाकर भी खा सकते हैं। रोजाना इसको पानी के साथ लेने से आपको कई फायदे होंगे।

आम की पत्तियों को खाने से होंगे ये लाभ

1. शुगर कंट्रोल करें कंट्रोल

अगर आप शुगर के मरीज है तो आम के पत्तों को सेवन करें। आम के पत्तों को सुखाकर उसका एक पाउडर बना लें। फिर रोजाना 1 चम्मच खाएं। इससे धीरे-धीरे आपका शुगर लेवल कंट्रोल में होने लगेगा।

2. ब्लडप्रेशर की समस्या करे दूर

आपको जानकर हैरानी होगी की आम के पत्तों से ब्लडप्रेशर की समस्या दूर होती है। आम के पत्ते को उबाल लें। नहाने वाले पानी में आम के पत्ते डाल कर नहाएं। इससे आपको ब्लडप्रेशर की समस्या से निजात मिलेगा।

3. अस्थमा से दिलाएं राहत

अस्थमा रोगियों के लिए आम के पत्तों का काढ़ा किसी औषधि। रोजाना ये काढ़ा पीने से आपको अस्थमा से राहत मिलेगी।

झड़ते बालों से परेशान है तो लगाएं ये होममेड हेयर मास्क

लड़कियां चाहती हैं कि उनके बाल मजबूत और घने हो। अधिकतर लड़कियों के बालों का टेक्सचर तो अच्छा होता हैं लेकिन कुछ अपने झड़ते व पतले बालों से परेशान होती हैं। ऐसे में चिंता अधिक होती हैं क्योंकि बालों से ही औरत की पहचान होती हैं। बाल ही औरत का असली श्रृंगार भी माने जाते हैं। अगर आप भी अपने बालों को मजबूत, घने व लंबे बनाना चाहती है तो आज हम आपको एक घरेलू हेयर मास्क बताएंगे, जिसके इस्तेमाल से आपकी बालों को लेकर सारी टेंशन खत्म हो जाएगी।

मास्क बनाने का तरीका

- 2 टेबलस्पून अदरक पाऊडर
- 1 टेबलस्पून संतरे के छिलको का पाऊडर

- जरूरत अनुसार कैस्टर ऑयल

मास्क बनाने व लगाने का तरीका

बाउल में अदरक पाऊडर और संतरे के छिलको का पाऊडर डालें। फिर इसमें कैस्टर ऑयल डालकर अच्छे मिक्स करके पेस्ट तैयार करें। अब इस मास्क को अपने बालों के स्कैल्प पर अच्छे से लगाएं और 2 घंटे से पहले ही बालों को धो लें।

कैसे काम करता है यह हेयर मास्क

इस मास्क में इस्तेमाल होनी वाली सामग्री के अलग-अलग फायदे है जो बालों को मजबूत, घने बनाने में मददगार है।

अदरक

अदरक में एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-माइक्रोबियल गुण होते हैं जो डैंड्रफ को खत्म कर बालों के रोम को भी मजबूत बनाते हैं।

कैस्टर ऑयल

कैस्टर ऑयल में बालों की ग्रोथ बढ़ाने वाले गुण मौजूद होते हैं। यह गुण बालों के रोम को मजबूत बनाकर उनकी ग्रोथ बढ़ाने में मदद करते हैं।

संतरे के छिलके का पाऊडर

यह डैंड्रफ को दूर करके बालों के रोम का स्ट्रांग बनाने का काम करता हैं।

जानिए, क्यों अच्छी सेहत के लिए जरूरी है कार्बोहाइड्रेट की सही मात्रा

अपने भोजन में कार्बोहाइड्रेट युक्त चीजें न लेना आपकी सेहत पर भारी पड़ सकता है। एक अध्ययन में यह बात सामने आई है। अध्ययन के अनुसार इनकी सीमित मात्रा शरीर के लिए बहुत ही जरूरी होती है। इसका कम या ज्यादा लेना सेहत पर असर डाल सकता है। अध्ययन में पाया गया है कि जरूरत से ज्यादा और जरूरत से कम कार्बोहाइड्रेट खाना सेहत के लिए नुक्सानदायक हो सकता है। वहीं अध्ययन की मानें तो सीमित मात्रा में कार्बोहाइड्रेट 50 से 55 प्रतिशत लेना सेहत के लिए अच्छा है। जो लोग 40 प्रतिशत से कम कार्बोहाइड्रेट और 70 प्रतिशत से ज्यादा कार्बोहाइड्रेट लेते हैं ऐसे लोगों में जल्द मृत्यु का खतरा ज्यादा होता है। हॉवर्ड स्कूल ऑफ पब्लिक हैल्थ ने 15,400 लोगों पर अध्ययन किया है जिसमें पाया गया कि जो लोग अपनी डाइट में बहुत ज्यादा कार्बोहाइड्रेट ले रहे थे, उनकी सेहत खराब पाई गई।

सीमित मात्रा में भरपूर पोषक तत्वों के साथ लें संतुलित आहार

लांसेट पब्लिक जर्नल में प्रकाशित अध्ययन में 45 से 64 साल की उम्र के 15,528 लोगों को शामिल किया गया था और उन पर 25 सालों तक अध्ययन किया गया। इस अध्ययन के दौरान करीब 6,283 लोगों की मौत हो गई इसलिए सेहतमंद रहने के लिए जरूरी है कि हम सीमित मात्रा में भरपूर पोषक तत्वों के साथ संतुलित आहार लें। आपको बता दें कि खाना जैसे व्हाइट ब्रैड और व्हाइट राइस में शुद्ध काबोहाइड्रेट्स की मात्रा होती है। काबोहाइड्रेट्स चर्बी की अपेक्षा शरीर में जल्दी पच जाते हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बॉलीवुड में चमकना चाहती हैं नव्या सिंह

नव्या सिंह

यदि हौंसला और जुनून हो तो पहाड़ सरीखा लक्ष्य भी आसान हो जाता है और बड़े सपने को कामयाबी के नायाब पंख लग जाते हैं। ऐसा ही जुनून लेकर बिहार के एक छोटे से गांव कटिहार से 10 साल पहले मुंबई आई टीवी एक्ट्रेस और मॉडल नव्या सिंह अपने अभिनय का लोहा मनवा रही हैं। मॉडलिंग से लेकर कई टीवी सीरियल में अभिनय करने के बाद अब उनका सपना बॉलीवुड में पहुंचने का है। बता दें कि नव्या सिंह एक मशहूर टीवी एक्ट्रेस और मॉडल होने के साथ TEDx मोटिवेशनल स्पीकर और मिस ट्रांसक्वीन इंडिया की ब्यूटी प्रेजेंट ब्रांड एम्बेसडरभी हैं, साथ ही नव्या सिंह को दो बार बेस्ट सुपरमॉडल के लिए अवार्ड भी मिल चुका है। नव्या सिंह एलजीबीटी समुदाय के लिए एक्टिविस्ट के तौर पर भी काम करती हैं। नव्या सिंह मॉडलिंग और टीवी सीरियल में अभिनय करने के बाद बॉलीवुड में धमाल मचाने को बेकरार है। नव्या सिंह ने कहा कि यदि मनुष्य को किसी कार्य को करने की भूख हो तो वह अपने सपनों की मंजिल पा ही लेता है। नव्या सिंह ने कहा मैं बालीवुड में बड़े कलाकारों के साथ बड़े पर्दे पर अपनी अदाकारी से दर्शकों के दिल में छा जाना चाहती हूं और मैं जल्द ही किसी बड़े प्रोजेक्ट में नजर आउंगी। नव्या सिंह बालीवुड में जाने व अपने सपने को पूरा करने के लिए लगातार मेहनत कर रही हैं। एक दिन उन्हें सफलता जरूर मिलेगी।

बॉलीवुड में अपनी अभिनय के दम पर बड़ी अभिनेत्रियों को टक्कर देती ईशा तिवारी

बॉलीवुड हो या टीवी इंडस्ट्री हर मॉडल और खूबसूरत प्रतिभाशाली लड़की हीरोइन बनने का सपना जरूर देखती है। हर सपने इंसान की मेहनत और लगन से जरूर पूरे होते हैं। आज हम आपको एक ऐसी लड़की के बारे में बताएंगे जोकि यूपी के लखनऊ की रहने वाली हैं। लेकिन बॉलीवुड की दुनिया में आकर इस अभिनेत्री ने खूब नाम कमा लिया है। यह एक्ट्रेस और कोई नहीं बल्कि ईशा तिवारी है। ईशा तिवारी फिल्म सलाम मुंबई (ईरानी अंग्रेजी फिल्म), परेशान पुर (कॉमेडी फिल्म), मनी बैक गारंटी (कॉमेडी फिल्म) व रॉबिन हूड के पोटे (हिंदी फिल्म) जैसी फिल्मों में अपनी अदाकारी दिखा चुकी हैं। ईशा तिवारी कम उम्र में ही बड़ी बड़ी अभिनेत्रियों को टक्कर देती हैं। बता दें कि ईशा तिवारी मॉडल व अभिनेत्री होने के साथ पढ़ाई में भी अपनी परचम लहराते हुए डिग्री हासिल की हुई हैं, ईशा तिवारी ने कानपुर यूनिवर्सिटी से केमिस्ट्री में एमएससी की हैं। ईशा तिवारी के पास कई बड़े प्रोजेक्ट के ऑफर की लाईन लगी हुई हैं, वह जल्द ही बड़े पर्दे पर अपने दर्शकों को मनोरंजन करते हुए नजर आएंगी। ईशा तिवारी दिखने में बहुत ही खूबसूरत है। इनकी खूबसूरती लोगों को काफी पसंद है, इस लिए सोशल मीडिया पर उनकी फैन फॉलोइंग धीरे-धीरे बढ़ रही है। आज ईशा तिवारी किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं ये अपनी मेहनत और लगन की दम पर करोड़ों लोगों के दिलों में राज कर रही हैं।

ईशा तिवारी

रियलिटी शो 'इंडियन प्रो म्यूजिक लीग' के ब्रांड एंबेसडर बनें सलमान

जी टीवी पर जल्द ही एक हाई बजट संगीत रियलिटी शो 'इंडियन प्रो म्यूजिक लीग' लेकर आ रहा है। यह संगीत के शो में बहुत ही अनूठा प्रयोग किया जा रहा है। शो के लिए बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान को ब्रांड एंबेसडर बनने के लिए साइन किया गया है। इस शो का ब्रांड एंबेसडर बनने पर सलमान ने कहा, हम सभी को खेल के प्रति उत्साह और प्रतिस्पर्धा की भावना के लिए खेल लीग के लिए प्रेरित किया गया है, लेकिन पूरी टीम एक म्यूजिक लीग के साथ आई, जो संगीत की वास्तविकता टेलीविजन की दुनिया में खेल की ऊर्जा को प्रभावित करती है।